

दिनांक 10.12.14

मित्रों आज मैं और हेमलता जी शिक्षा संकुल मे फीस निर्धारण कमेटी एवं आरटीई के ऑफिस मे गये थे ।

फीस निर्धारण कमेटी 17,643 स्कूलों की फीस की लिस्ट 18.12.14 को निकालेगी ।

सभी ऐसे स्कूल जिन्होने पोर्टल नहीं भरा उनको कारण बताओं नोटिस निकाला जायेगा । जिसका जवाब मैंने पहले से ही वेबसाईट पर डाल रखा है । और मैं यह चाहता हूँ कि जैसे ही फीस कमेटी वाला डीईओ अथवा डीईओ आपको कारण बताओ नोटिस का पत्र देने आये आप वह पत्र लो तथा अपना पत्र उसको दे दो । वो आपसे रसीद माँगे तो आप उससे रसीद माँग लो । वो मना करे तो आप भी मना कर दो ।

दूसरी बात – आरटीई के राज्य ऑफिस मे जा कर मैंने पूछा कि आपके अधिकारी भौतिक सत्यापन मे अवधारित फीस ही भर रहे हैं जबकि कानून कहता है कि सरकारी तय फीस अथवा फीस कमेटी द्वारा निर्धारित अथवा स्कूल द्वारा ली जाने वाली वास्तविक फीस , मे से जो भी कम हो का पुन : भरण किया जायेगा ।

दौस्तो उन्होने कहा कि ये सरकार के अधिकारियों की मनमानी है हमारे पास कई शिकायत आई थी जिस पर हमने कार्यवाही भी की है । आप सभी स्कूल वालों को कह देवे कि यदि किसी स्कूल के भौतिक सत्यापन के द्वौरान स्कूल वाले जो वास्तविक फीस ले रहे हैं वही भरे । यदि सत्यापन दल अवधारित फीस की जिद करे तो हस्ताक्षर नहीं करे एवं जिन्होने पहले गलती से अवधारित पर हस्ताक्षर करवा लिये हो वे पोर्टल लॉक नहीं करे तथा उस अधिकारी की डीईओ से शिकायत कर सत्यापन ठीक करवा लेवे । यदि वह अधिकारी फिर भी नहीं माने तो हमें शिकायत देवे ।

क्योंकि आरटीई वाले भी कह रहे हैं कि किसी की फीस निर्धारित नहीं हुई और अवधारित को मानना कानूनी नहीं है ।

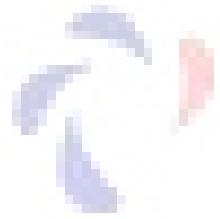
दौस्तो मैं आपसे कहना चाहता हूँ कि अब डरना बंद करो । कानूनी भाषा मे जवाब दो । कुछ नहीं होगा । इनको पीछे हटना पड़ेगा । आठवीं बोर्ड के मामले मे देख लो पीछे हटना पड़ा ।

जिन स्कूल वालो के साथ ऐसा हुआ है वे लिखित मे शिकायत डीईओ से करे एवं डीईओ नहीं माने तो मुझे बताएँ । पहले मैं डीईओ से बात करूँगा, नहीं मानने पर हैडआफिस मे शिकायत करूँगा ।

प्रतापगढ के धरियावाद ब्लॉक मे एक ऐसे ही मैटर मे मैंने डीईओ को फटकारते हुए कहा कि पढ़े लिखे नहीं हो तो नौकरी छोड़ दो । वर्ना कानून के हिसाब से काम करो । आदेश पढ़ो फिर बोलो । आपके पास आदेश नहीं तो मैं भेज दूँ ।

वह न केवल शर्मिन्दा हुआ बल्कि उसने स्कूल वाले की बात मानी एवं ठीक किया । ऐसा बहुत स्कूल वालो के साथ हुआ है ।

अनिल



Shikshaparivar.com